

नेपाल के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

प्रलिस के लयि:

काली नदी, 1950 की शांति और मतिरता की भारत-नेपाल संधि, धारचूला बरजि ।

मेन्स के लयि:

भारत-नेपाल संबंधों का महत्त्व और चुनौतियाँ ।

चरचा में क्यों?

हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री ने भारत का दौरा कयिा और भारत के प्रधानमंत्री के साथ एक शखिर बैठक की ।

- इससे पूरव केंद्रीय मंत्रमिंडल ने **महाकाली नदी** पर भारत और नेपाल को जोड़ने वाले एक नए पुल के नरिमाण तथा **उत्तराखंड के धारचूला को नेपाल के धारचूला क्षेत्र** से जोड़ने की योजना को मंजूरी प्रदान की थी ।



यात्रा की मुख्य वशिषताएँ:

- कनेक्टविटी:**
 - बहिर के जयनगर को नेपाल के कुरथा से जोड़ने वाली 35 किलोमीटर लंबी सीमा पार रेलवे लाइन का शुभारंभ कयिा गया ।
 - यह दोनों पक्षों के बीच पहला ब्रॉड-गेज यात्री रेल लकि है जसि 548 करोड़ रुपए के भारतीय अनुदान द्वारा समर्थति एक परयोजना के तहत नेपाल में बर्दीबास तक वसितारति कयिा जाएगा ।
- सोलू कॉरडोर:**
 - भारत द्वारा 200 करोड़ रुपए के भारतीय लाइन ऑफ क्रेडिटि के तहत नरिमति सोलू कॉरडोर जो क 90 कर्मी. लंबी 132 kV वदियुत पारेषण लाइन है, को नेपाल को सौंप दयिा गया है ।
 - यह लाइन पूरवोत्तर नेपाल के कई दूरदराज़ के ज़िलों को देश के राष्ट्रीय ग्रडि से जोड़कर बजिली प्राप्त करने में मदद करेगी ।
- रुपे कार्ड:**
 - नेपाल में भारत का रुपे (RuPay) कार्ड लॉन्च कयिा गया ।

- RuPay कार्ड का घरेलू संस्करण अब नेपाल में 1,400 पॉइंट-ऑफ-सेल मशीनों पर कार्य करेगा और इस कदम से दोनों देशों में पर्यटकों के बढ़ने की उम्मीद है।
- भूटान, संगापुर और यूएई के बाद नेपाल चौथा देश है, जहाँ RuPay कार्ड मौजूद है।
- **समझौता ज्ञापन:**
 - नेपाल द्वारा भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (105वाँ सदस्य देश बनने) में शामिल होने हेतु एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं।
 - तीन और समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए हैं जिनमें शामिल हैं- रेलवे क्षेत्र में तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू), पाँच वर्ष के लिये पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति और तकनीकी विशेषज्ञता को साझा करने हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन व नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन के बीच दो समझौते।
- **वदियुत क्षेत्र में सहयोग पर संयुक्त वक्तव्य:**
 - भारत ने नेपाल में बजिली उत्पादन परियोजनाओं के संयुक्त विकास और सीमा पार पारिषण बुनियादी ढाँचे के विकास सहित बजिली क्षेत्र में अवसरों का पूरा लाभ उठाने का आह्वान किया है।
 - भारत कृषमता निर्माण और उत्पादन तथा पारिषण से संबंधित बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को सीधे समर्थन के माध्यम से नेपाल के बजिली क्षेत्र को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
 - नेपाल ने भारत के हाल के सीमा पार उन बजिली व्यापार नियमों की भी सराहना की है जिनहोंने इसे भारत के बाज़ार और भारत के साथ व्यापार शक्तिगत पहुँचने में सक्षम बनाया है। नेपाल अपनी अतिरिक्त बजिली भारत को निर्यात करता है।
 - दोनों देश वलिंबति पंचेश्वर बहुउद्देशीय बाँध परियोजना (महाकाली नदी पर) पर काम में तेज़ी लाने पर सहमत हुए, जसि क्षेत्र के विकास के लिये काफी निरिणायक माना जाता है।
- **सीमा का मुद्दा:**
 - नेपाल के प्रधानमंत्री द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दोनों देशों के मध्य सीमा विवाद को सुलझाने हेतु कदम उठाने का आग्रह किया गया।
 - भारतीय पक्ष ने यह स्पष्ट किया कि दोनों देशों को बातचीत के माध्यम से सीमा मुद्दे को हल करने और ऐसे मुद्दों के राजनीतिकरण को जानने से बचने की ज़रूरत है।
 - इससे पहले भारत ने वर्ष 2020 में नेपाल द्वारा कालापानी क्षेत्र को अपने हसिसे के रूप में दखिाने के लिये किये गये संविधान संशोधन को खारजि कर दिया था।

भारत-नेपाल संबंधों के प्रमुख बदि:

- **ऐतहासकि संबंध:**
 - नेपाल, भारत का एक महत्त्वपूर्ण पड़ोसी देश है और सदयिों से चले आ रहे भौगोलकि, ऐतहासकि, सांस्कृतकि एवं आर्थकि संबंधों के कारण अपनी वदिश नीति में वशिष महत्त्व रखता है।
 - भारत व नेपाल दोनों ही देशों में हदि व बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग हैं।
 - रामायण सरकटि की योजना दोनों देशों के मज़बूत सांस्कृतकि व धार्मकि संबंधों की प्रतीक है।
 - दोनों देशों के नागरिकों के बीच आजीवकि के साथ-साथ वविह और पारविारकि संबंधों की मज़बूत नीव है। इस नीव को ही 'रोटी-बेटी का रशिता' नाम दिया गया है।
 - वर्ष 1950 की '**भारत-नेपाल शांति और मतिरता संधि**' दोनों देशों के बीच मौजूद वशिष संबंधों का आधार है।
 - नेपाल से उदगम होने वाली नदयिों पारसिथितिकि और जलवदियुत कृषमता के संदर्भ में भारत की **बारहमासी नदी प्रणालयिों** को पोषति करती हैं।
- **व्यापार और अर्थव्यवस्था:**
 - भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार होने के साथ-साथ वदिशी निविश का सबसे बड़ा स्रोत भी है।

कनेक्टविटी:

- नेपाल एक लैंडलॉक देश है जो तीन तरफ से भारत और एक तरफ तबिबत से घरिा हुआ है।
- भारत-नेपाल ने अपने नागरिकों के मध्य संपर्क बढ़ाने और आर्थकि वृद्धि एवं विकास को बढ़ावा देने के लिये वभिनिन कनेक्टविटी कार्यक्रम शुरू किये हैं।
 - **भारत के रक्सौल को काठमांडु से जोड़ने** के लिये इलेक्ट्रिक रेल ट्रैक बछिाने हेतु दोनों सरकारों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किये गए थे।
 - भारत व्यापार और पारगमन व्यवस्था के ढाँचे के भीतर कार्गो की आवाजाही के लिये अंतरदेशीय जलमार्ग विकसित करना चाहता है, नेपाल को **सागर (हिदि महासागर)** के साथ **सागरमाथा (माउंट एवरेस्ट)** को जोड़ने के लिये समुद्र तक अतिरिक्त पहुँच प्रदान करता है।
- **रक्षा सहयोग:**
 - इसमें द्वपिकृषीय रक्षा सहयोग के तहत **उपकरण और प्रशकिषण के माध्यम से नेपाल की सेना का आधुनिकिकरण** शामिल है।
 - भारतीय सेना की गोरखा रेजीमेंट का गठन आंशकि रूप से नेपाल के पहाड़ी जिलों से युवाओं की भरती करके किया जाता है।
 - भारत वर्ष 2011 से हर वर्ष नेपाल के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करता रहा है जसि **सुर्य करिण** के नाम से जाना जाता है।
- **सांस्कृतकि:**
 - नेपाल के वभिनिन स्थानीय नकियों के साथ कला और संस्कृति, शकिषावदिं तथा मीडिया के क्षेत्र में लोगों से लोगों के संपर्क को बढ़ावा देने हेतु पहल की गई है।
 - भारत ने काठमांडू-वाराणसी, लुंबिनी-बोधगया और जनकपुर-अयोध्या को जोड़ने के लिये तीन 'ससिटर-सति' समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं।
 - 'ससिटर-सति' संबंध दो भौगोलकि और राजनीतिक रूप से अलग स्थानों के बीच कानूनी या सामाजकि समझौते का एक रूप है

■ **मानवीय सहायता:**

- नेपाल एक संवेदनशील पारस्थितिकि क्षेत्र में स्थिति है, जहाँ भूकंप, बाढ़ से जीवन और धन दोनों का भारी नुकसान होता है, जिसकी वजह से यह भारत की मानवीय सहायता का सबसे बड़ा प्राप्तकर्त्ता बना हुआ है।

■ **बहुपक्षीय साझेदारी:**

- भारत और नेपाल कई बहुपक्षीय मंचों जैसे- BBIN (बांग्लादेश, भूटान, भारत व नेपाल), **बमिस्टेक** (बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिये बंगाल की खाड़ी पहल), **गुटनरिपेकष आंदोलन** एवं **सारक** (क्षेत्रीय सहयोग के लिये दक्षिण एशियाई संघ) को साझा करते हैं।

■ **मुद्दे और चुनौतियाँ:**

○ **चीन का हस्तक्षेप:**

- एक भूमि से घेरि राष्ट्र के रूप में नेपाल कई वर्षों तक भारतीय आयात पर नरिभर रहा और भारत ने नेपाल के मामलों में सक्रिय भूमिका नभाई।
- हालाँकि हाल के वर्षों में नेपाल, भारत के प्रभाव से दूर हो गया है और चीन ने धीरे-धीरे नेपाल में नविश, सहायता और ऋण प्रदान करने में वृद्धि की है।
- चीन, नेपाल को अपने **बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि** (BRI) में एक प्रमुख भागीदार मानता है और वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने की अपनी योजनाओं के हिससे के रूप में नेपाल की बुनियादी अवसंरचना में नविश करना चाहता है।
- नेपाल और चीन का बढ़ता सहयोग भारत तथा चीन के बीच नेपाल की 'बफर स्टेट' की स्थिति को कमजोर कर सकता है।
- दूसरी ओर चीन नेपाल में रहने वाले तबिबतियों के बीच किसी भी चीन वरिधी भावना को रोकना चाहता है।

○ **सीमा विवाद:**

- यह मुद्दा नवंबर 2019 में तब उठा जब **नेपाल ने एक नया राजनीतिक नक्शा** जारी किया था, जो कश्चित्तराखंड के कालापानी, लपियिधुरा और लपिलेख को नेपाल के हिससे के रूप में प्रस्तुत करता है। नए नक्शे में 'सुस्ता' (पश्चिमि चंपारण ज़िला, बिहार) को भी नेपाल के क्षेत्र के रूप में दिखाया गया है।

आगे की राह

- भारत को सीमा पार **जल विवादों पर अंतरराष्ट्रीय कानून** के तत्वावधान में नेपाल के साथ सीमा विवाद को हल करने हेतु कूटनीतिक रूप से वार्ता करनी चाहिये। इस मामले में **भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा विवाद समाधान** एक मॉडल के रूप में काम कर सकता है।
- भारत को लोगों से लोगों के जुड़ाव, नौकरशाही के जुड़ाव के साथ-साथ राजनीतिक वार्ता के मामले में नेपाल के साथ अधिक सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिये।
- कहीं मतभेद विवाद में न बदल जाए, अतः ऐसे में दोनों देशों को शांति से सभी मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करना चाहिये।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2020)

1. पछिले दशक में भारत-श्रीलंका व्यापार का मूल्य लगातार बढ़ा है।
2. "वस्त्र और वस्त्र संबंधी उत्पाद" भारत एवं बांग्लादेश के बीच व्यापार की महत्त्वपूर्ण वस्तुएँ हैं।
3. पछिले पाँच वर्षों में नेपाल दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. नमिनलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि: (2016)

कभी-कभी सामाचारों में उल्लखिति समुदाय	संबंधित देश
कुरद	बांग्लादेश
मधेसी	नेपाल
रोहगिया	म्याँमार

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3

(d) केवल 3

उत्तर: (c)

- **क़ुर्द:** ये मेसोपोटामिया के मैदानी इलाकों और अब दक्षिण-पूर्वी तुर्की, उत्तर-पूर्वी सीरिया, उत्तरी इराक, उत्तर-पश्चिमी ईरान, आर्मेनिया तथा दक्षिण-पश्चिमी क़षेत्रों के स्वदेशी लोगों में से एक हैं। **अतः युग 1 सुमेलति नहीं है।**
- **मधेसी:** यह एक जातीय समूह है जो मुख्य रूप से भारतीय सीमा के करीब नेपाल के दक्षिणी मैदानों में रहता है। **अतः युग 2 सही सुमेलति है।**
- **रोहगिया:** यह एक जातीय समूह है, जिसमें बड़े पैमाने पर मुस्लिम शामिल हैं तथा जो मुख्य रूप से पश्चिमी म्याँमार प्रांत रखाइन में रहते हैं **अतः युग 3 सही सुमेलति है।**
- **अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/nepal-pm-visits-india>

